उसने हमें भविष्यवक्ता दिए
चलचित्र, अध्ययन मार्गदर्शका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।
विषय-वस्तु

परिचय.......................................................................................................................... 1
आरंभिक राजतंत्र ........................................................................................................... 1
मुख्य घटनाएं................................................................................................................ 1
   संयुक्त राज्य .............................................................................................................. 2
   विभाजित राज्य ............................................................................................................ 2
भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ............................................................................................. 2
   चायाची आदर्श ........................................................................................................... 2
   विभाजित राज्य ............................................................................................................ 3
असीरियाई तबाही ........................................................................................................ 3
मुख्य घटनाएं................................................................................................................ 3
   सीरियाई-इस्राएली गठबंधन .................................................................................... 4
   सामरिया का पतन ....................................................................................................... 4
   सन्हेरब आक्रमण .................................................................................................... 4
भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ............................................................................................. 5
   योहा............................................................................................................................ 5
   होशे ............................................................................................................................ 5
   आमोस ........................................................................................................................ 5
   मीका ............................................................................................................................ 6
   नूम ............................................................................................................................... 6
   यशोयाह ....................................................................................................................... 7
बेबीलोनी तबाही ........................................................................................................ 7
मुख्य घटनाएं................................................................................................................ 8
   पहला आक्रमण ............................................................................................................ 8
   दूसरा आक्रमण .......................................................................................................... 8
   तीसरा आक्रमण ......................................................................................................... 8
भविष्यवाणिय सेवकाइयाँ............................................................................................. 9
   यिर्मेयाह ..................................................................................................................... 9
   सपन्याह ....................................................................................................................... 9
   योएल ........................................................................................................................... 10
   ओबद्याह ....................................................................................................................... 10
   हबक्कू गर ................................................................................................................. 10
चलचचत्र, अध्ययन मार्गदर्शन का समय..........................11
दानियंयेल.........................................................................11
पुनर्वास का समय.................................................................12
मुख्य घटनाएँ.................................................................12
इसमाएलियों का अपनी भूमि पर लौट आना................................12
मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाना.................................13
व्यापक धर्मपरिप्रेक्ष्य................................................13
भविष्यवाणिय सूक्ष्मता..................................................13
हागे...............................................................................13
जकर्याह...........................................................................14
मलाकी.............................................................................14
उपसंहार..........................................................................15
उसने हमें भविष्यवक्ता दिए
अभ्यास पृष्ठ
भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विश्लेषण

परिचय

मेरा एक मित्र है जिसने हाल ही में मुझे एक कहानी सुनाई। उसके विवाह को कुछ ही वर्ष हुए थे और जब उसकी ताजा शादी के समय कर रही थी तो उसे एक पत्र मिला जो उसके पति की पुरानी प्रेमिका का था। फिर, यह कहा था कि उसने वो चाहा कि वह पत्र कुछ ही समय पहले लिखा गया था, परन्तु मेरा मित्र उस लिखने और उस लिखने पर लिखी हुई तारीख के द्वारा यह प्रमाणित कर पाया कि वह पत्र कभी पहले लिखा गया था। मेरे मित्र ने मेरी ओर देखा और कहा, “रिच, मुझे नहीं पता कि मैं तुम्हें क्या बताऊँ, क्योंकि मुझे नहीं पता कि क्या होता यदि मैं यह प्रमाणित नहीं कर पाता कि पत्र कभी लिखा गया था।”

भविष्यवाण, बहुत बार मरीज़ी पुराने नियम की भविष्यवाणी को गलत रूप से मानते हैं क्योंकि वे इस बात की परवाह नहीं करते कि भविष्यवक्ता ने कब अपनी बातों को कहा था या फिर भविष्यवक्ता ने अपनी पुराने कब लिखी थी। और यदि हमे जिम्मेदारी के साथ पुराने नियम के भविष्यवक्ता का अध्ययन करता है तो हमें उस समय को मानने के लिए तैयार रहना होगा जिसमें उन्होंने सेवा की थी।

हमने इस अभ्यास की शीर्षक दी है, “भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विश्लेषण” और हम इस बात को परवर्तन जा रहे हैं कि किस प्रकार पुराने नियम का इतिहास हमे पुराने नियम की भविष्यवाणी को उद्धीत रूप से समझने के लिए एक आवश्यक शंका प्रदान करता है। हमारा ऐतिहासिक विश्लेषण भविष्यवाणी इतिहास के चार मुख्य समय में विभाजित होगा: पहला, आरंभिक राजतंत्र; दूसरा, अमेरिकाई तत्कालीन, ब्रिटिश तत्कालीन; और फिर अंत में हम पुराने के समय के देखें। आइए सबसे पहले हम आरंभिक राजतंत्र के समय को दें।

आरंभिक राजतंत्र

पिछले अभ्यास में हमने देखा था कि जब इस्लाम में राजतंत्र का उदय हुआ तो भविष्यवाणी का प्रचलन भी बढ़ गया। और इसलिए आरंभिक राजतंत्र, अरब त्व में तिन जब इस्लाम में पहले राजा हुए थे, जिन्हें हमें समय हमारी ऐतिहासिक विश्लेषण का आरंभ करने में सहायता मिली।

अब, जो लगभग 2000 ई.पू. में रहा था, के समय, उसके जैसे अमेरिकन राजा नहीं था। अमेरिका ने 1000 ई. व. में यह हुआ था, और उसके जैसे कोई पैगुम ने उसे राजा बना रहा था। जब हम इस्लाम के इतिहास के इस समय का अवलोकन करते हैं तो हम दो मुख्य प्रश्न पूछें: हम समय में कौनसी मुख्य घटनाएं घटी थी और उन घटनाओं ने किस प्रकार भविष्यवाणी सेवकारों को आकार दिया था?

मुख्य घटनाएं

आइए पहले उन दो मुख्य घटनाओं पर ध्यान दें जो आरंभिक राजतंत्र में घटी थीं। पहले हम संगठित या संयुक्त राज्य के बारे में बात कर सकते हैं।
संयुक्त राज्य

लगभग 1000 ई.पू. में दाउद यहूदियाँ के सिहासन पर बैठा। उसने सारे गोरों को एकत्र किया, राज्य के चारों ओर सुरक्षित सीमाओं की स्थापना की, और इस तौर पर परमेश्वर का संयुक्त यहूदियाँ में लेकर आया कि उसका पुत्र परमेश्वर के मंदिर का निर्माण करे। दाउद के पुत्र सुलेमान ने अपने पिता के उदाहरण का अनुसरण किया। उसने इय्याल की सीमाओं को बढ़ाया और गोरों को समाप्त किया। और सुलेमान ने उन वैभवशाली मंदिर बनाया और उसे यहुदी की आरंभिकता के लिए समर्पित किया। इय्याल, राजाओं, और इतिहास की पुस्तक के इस बात को उत्तर कर देते हैं कि दाउद और सुलेमान सिवाय राज्य नहीं थे। पर कि भी बादल इस समय को एक ऐसे आदर्श समय के रूप में दर्शाते हैं जब परमेश्वर के लोगों ने अनेक आदर्श प्राप्त की।

विभाजित राज्य

इन प्रारंभिक दिनों में जब अच्छी परिस्थितियाँ थीं, तो हमें एक और मूर्त घड़ना के समर्पण रखना है, अतः विभाजित राज्य। दुभागवात्य, सुलेमान और उनके पुत्र रूवियाम ने उसी गोरों के साथ उस आदर के साथ यहूदियों को जिसके वे योग थे, इसलिए उस के साथ गोरों अलग हो गए और लगभग 930 ई.पू. में अपना अलग राज्य बनाया। हम इस घड़ना को 11 अध्याय 12 और 22 इतिहास 11 में देखते हैं। जब रूवियाम ने उन के गोरों से यहूदी यहूदी खोजने के इनकार कर दिया तो उन्होंने अलग होकर अपना राज्य बनाया। गोरों ब्रम्हध के स्थापित की, जब वे चलते थे देखा। उन्होंने दाँ और वेबेल के अपने अर्थव्यवस्था के मुख्य सब थे। इससे दाउद और सुलेमान के अर्थव्यवस्था के संयुक्त राज्य के साथ साथ सारे पुस्तकों में राज्यवाणी स्थापित कर ली। अब गोरों देखने वाले विद्रोह में बहुत आगे बढ़ गए। उन्होंने दाउद और वेबेल के अपने आरंभिक केंद्रों में मूर्तियों को जोड़ना कर दिया, और ऐसा करने के द्वारा उनकी राज्य बहुत अधिक भर हो गया। वह राज्य यहूदी के प्रति अपनी वफादारी से मुड़ गया और अपनी वाचायी जानकारियों के प्रति समर्पण करने से इनकार कर दिया। अब इस समय के दौरान यहूदी के भी अपने उत्तर चढ़ाव रहे, परन्तु अधिकांश वे उसी इय्याल से अधिक विश्वासयोग्य रहे।

अत: हमें आदर्श राजनैतिक बनाने में दो मूर्त घड़नाओं को देखा है: हल्ला, दाउद और सुलेमान के अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य जब लोगों ने जबरदस्त आदर्श प्राप्त की, और किर रूवियाम के दिनों में राज्य का विभाजन।

अब जब हमें उन दो घड़नाओं का देखा लिया है जो कि आदर्श राजनैतिक फर्जी थीं, तो हमें वह पुष्टि है कि इन घड़नाओं ने विभववाणी की सेवकाओं को किस प्रकार आकार प्रदान किया।

भविष्यवाणिय सेवकाओं

सोलह अलग-अलग भविष्यवाणी है जिनकी सेवाएँ को पुराने नियम की वजह से और छोटी भविष्यवाणिय पुस्तकों में सारांशित किया गया है। इय्याल, राजाओं, और इतिहास की पुस्तकों यह स्पष्ट करता है कि आदर्श राजनैतिक का समय भविष्यवाणिय कियाओं से भरा हुआ था, परन्तु भविष्यवाणियों की इन पुस्तकों में से कोई भी पुस्तक उस समय से संबंधित नहीं है। हम आदर्श राजनैतिक के विषय में यही कह सकते हैं कि वह हमें भविष्यवाणी की पुष्टि प्रदान करता है जिनका हम अभ्यास कर रहे हैं। अब हम कम से कम दो सुस्पष्ट घटना को देख सकते हैं।

वाचायों आदर्श

एक और बाद में लिखने वाले भविष्यवाणी ने संयुक्त राजनैतिक महत्वपूर्ण राजकीय वाचायों आदर्श स्थापित करने वाले के रूप में देखा। उन्होंने परमेश्वर के लोगों के लिए अपनी सारी आदर्शों को
पहला
लेखन प्रकार चलए वतगमान प्रमत की भमवष्यविा वाले जाएँ। उस उसने राजधानी हैं, मक की स्थामपत हमने शमि; तक के तक था। साम्राज्य ओर उस साम्राज्य दौरान,- ऐसी ने हमने स्थामपत हमने आशीषें थे। इस्राएल सामना के से करने लर्ं राजतंत्र भी भमवष्यविा दूसरा की राजतंत्र भी भमवष्यविा के अध्याय में के रूप में आया। अन्य और उसे लेने लार्ं बच पूरी बच। और अन्य असीररयाई थीं की वे प्रभामवत के के परन्तु उसने यरुशलेम और यहूदा के गोट पर ध्यान दिया।

यद्यपि लिखने वाले कोई भी भविष्यवक्ता राजतंत्र के आर्थिक समय से नहीं आए थे, परन्तु हम पाते हैं कि इस समय ने सारे भविष्यवक्ताओं की सेवकाइयों की मूल पुष्पसृष्टि की स्थाना की। आर्थिक राजतंत्र के समय ने वाचा के आदर्शों को स्थापित किया और इसने उस्ती और दक्षिणी राज्य की वास्तविकता को स्थापित किया।

अब तक हमने आर्थिक राजतंत्र की पुष्पभूमि को देखा है। अब हम भव्यवाणिज्य इतिहास के दूसरे मुख्य समय, असीरियाई दण्ड के समय, की ओर मुड़ा चाहिए।

असीरियाई तबाही

जैसा कि हमने पहले के अध्यायों में देखा है, वाचा के लोगों की यह जिम्मेदारी थी कि वे प्रभु के प्रति विश्वासयोग और वफादार रहें, और जब उन्होंने जयचत्ता के साथ इस वाचा का उद्धृतन किया तो उन्होंने स्वयं को ऐसी परिस्थिति में पाए जहाँ परमेश्वर युद्ध के रूप में उन पर दण्ड भेजे। 734 से 701 ई.पू. में असीरियाई साम्राज्य के माध्यम से युद्ध में हार का देश्य दण्ड परमेश्वर के लोगों पर आया। आदर्शों और सालिंग सदी के दौरान असीरियाई साम्राज्य अपनी शक्ति में और अधिक बढ़ गया और उसने अनेक अन्य राज्यों पर भी विजय ली। अपनी शक्ति की पूरी चरम सीमा पर पहुंचने पर असीरिया का साम्राज्य वर्तमान तुर्की से पारसी खार्ड से होता हुआ मिस के दक्षिण के आदर्शों का देश्य दण्ड उसका साम्राज्य तथा चले जाए जो वे असीरियाई दण्ड के इस समय को जाँचे के लिए हम फिर से दो चित्रों को देखें: वे मुख्य घटनाएँ कौनसी थीं जो उस समय में घटीं थीं, और किस प्रकार इन घटनाओं ने उन सदियों के दौरान सेवकाइयों को प्रभावित किया था?

मुख्य घटनाएँ

असीरियाई प्रभाव वाली सदियों में ऐसी कौनसी घटनाएँ थीं जिन्होंने पुराने नयम के भव्यवाणिज्य लेखनों को प्रभावित किया था? कम से कम तीन ऐसी घटनाएँ थीं जो हमारे अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं: पहला, सीरिया-इस्रायली गठबंधन; दूसरा, साम्राज्य का पतन; और तीसरा, सन्थेरिक आक्रमण।
सीरियाई-इमामाली गठबन्धन

सीरियाई-इमामाली गठबन्धन में उस समय असीरियाई प्रभाव के अधिन तीन छोटे देशों के बीच संघटन चल रहा था: सीरिया, उत्तरी इमामा और यहूदा। हम इन घटनाओं के बारे में पुराने नियम में कई जबों पर पढ़ सकते हैं, परंतु एक बड़ा ही रूँचिकर अनुसेष्ट व्याख्याय 7 है। 734 के आसपास सीरिया और उत्तरी इमामा असीरियाई साम्राज्य को कर देते-देखे भक गए थे, इसलिए उन्होंने यह गठबन्धन करने का निश्चय किया ताकि वे असीरिया को रेख रखके व्याख्याय अपने साम्राज्य के दूसरे भागों में समस्या का अभ्यास कर रहे थे। अपना गठबन्धन बनाने के अतिरिक्त इमामा और सीरिया ने यहूदा को भी मजबूर किया जो वह उनके साथ मिल जाए। परन्तु यहूदा के राजा अहाज ने उनके साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और असीरिया से सहयोग की अपील की। इन घटनाओं के परमेश्वर के लोगों के लिए अनेक परामर्श हुए, परन्तु हमें से कम से कम एक बड़ी परामर्श के बारे में जानना चाहिए। उत्तर और दक्षिण दोनों असीरिया के साथ मतभेद के पथ पर थे। उत्तरी इमामा ने असीरिया के विरुद्ध विद्रोह किया इसलिए असीरिया के राजा आए, हमला किया और उत्तरी इमामा को तबाह कर दिया। यहूदा ने कुछ समय तक असीरिया का साथ दिया और इसलिए उस पर असीरिया का बहुत अधिक कर्ज और कर चढ़ा गया। परन्तु अन्त में यहूदा ने भी असीरिया के विरुद्ध विद्रोह किया जिससे दक्षिणी यहूदा पर भी आक्रमण होने ही बाला था।

सामरिका का पतन

तबाही के असीरियाई समय की दुर्सी बड़ी घटना सामरिका का पतन था। सामरिका उत्तरी इमामा की राजधानी था और वह सीरियाई-इमामाली गठबन्धन के विद्रोह के कारण असीरियाई प्रतिष्ठों का पात्र बन गया था। हम इस घटना के बारे में 27जानूनी 17 में पढ़ते हैं। असीरिया की बड़ी सेना उत्तरी इमामा के विरुद्ध बढ़ी और सामरिका को तबाह कर दिया, और असीरिया ने अनेक उत्तरी इमामालों को बंधूआई में भेज दिया। अब इस घटना के परमेश्वर के लोगों के लिए एक नए दिन का उद्देश्य था, परंतु एक बड़ी बंधूआई के वाचनी दण्ड की पराक्रम पहली बार तब हुई जब उत्तरी इमामा का असीरिया के लोगों के हाथों विनाश हुआ।

संहरित आक्रमण

असीरियाई तबाही की तीसरी बड़ी घटना यहूदा के विरुद्ध संहरित का आक्रमण था। यहूदा कुछ समय तक असीरिया के क्रोध से बचा रहा क्योंकि उन्होंने अपने आप को असीरिया के प्रति समर्पित कर दिया ताकि उन्हें उत्तरी राज्य से दुर्श्ला मिल सके। परन्तु बाद में यहूदा ने भी असीरिया के विरुद्ध विद्रोह कर दिया जिससे उन्हें इस बड़े साम्राज्य के कोशिका का सामना करना पड़ा। यहूदा के विरुद्ध कई आक्रमण हुए, परन्तु सबसे घातक आक्रमण 701 ई.पू. के आसपास हुआ, जो कि संहरित का आक्रमण था। हम इस घटना के बारे में 27जानूनी 18 और 19 में पढ़ सकते हैं। असीरिया के लोगों ने कई यहूदी वहरों को नाश कर दिया और यहूदियों को पहाड़ी गए। वास्तव में ऐसी लगा कि सब कुछ समाप्त हो गया, तब यहूदा का राजा हिजकियाई हयोटा की ओर मुड़ा और चमत्कारी रूप से बचा लिया गया। अब यहूदा असीरिया का वासल राज्य बन गया, परन्तु वह हिजकियाई के दिनों और संहरित आक्रमण के दौरान दुरी तहस से नाश होने से बच गया।

अत: हम देख सकते हैं कि असीरियाई तबाही के दौरान तीन मुख्य घटनाएं थीं: 734 में सीरियाई-इमामाली गठबन्धन, 722 ई.पू. में सामरिका का नाश; और अंत में 701 का संहरित आक्रमण।

अब जब हम असीरियाई तबाही के दौरान इस कई बड़ी घटनाओं को देख चुके हैं, तो हमें जाँचना है कि इन तीनों घटनाओं के भविष्यवाणियों की सेवकाइयों को किस प्रकार प्रभावित किया।
भविष्यवाणिय सेवकाईयां

असीरियाई तबाही का भविष्यवाणी को सेवकाइ के साथ बढ़ा प्रभाव पड़ा। इस समय दोनों व्यवस्थाओं ने पुनः नियम में पाई जाने वाली 16 पुस्तकों में से 6 इस समय के दौरान यहोवा के तृतीय के सेवकाइयों के बारे में बताती हैं, वे हैं योना, ताहियात, आमोस, मीका, नूह और यशाया। इन सब भविष्यवाणियों ने असीरियाई तबाही के दौरान सेवकाइ की। आप इसके रूप से देख सकते हैं कि ये भविष्यवाणी असीरियाई तबाही के बारे में बताते हैं?

योना

सबसे पहले हमें योना का उल्लेख करना चाहिए। 2 राजाओं 14:25 के अनुसार परमेश्वर ने योना को यारोबाम 2 के शासन में भविष्यवाणी करने के लिए बुलाया जो लगभग 793-753 ई.पू. तक उसी इस्राइल का राजा था। और योना की सेवकाइ का स्थान भी अन्य भविष्यवाणी की अपेक्षा अलग सा था क्योंकि परमेश्वर ने उसे असीरिया की राजधानी निनवे जाने के लिए कहा था। वह असीरिया की इस राजधानी में गया और यहोवा के वचन का प्रचार किया, और उसका मुख्य संदेश साधारण सा था, जैसा कि हम योना 3:4 में पहले हैं:

अब चाल रहो दिन के बीतने पर नीचे उड़ दिया जाएगा। (योना 3:4)

योना की अपेक्षा के प्रतिकूल, निनवे सह के लोगों ने पश्चाताप किया जब उन्होंने यहोवा की ओर से इस वचन की सुना, और फिर परमेश्वर ने जिस विनाश की चेतावनी दी थी, उसे उन पर नहीं जारी किया। योना की सेवकाइ यहोवा के उस देश का दर्शाती है जो असीरियाई साम्राज्य जैसे दूसरे राज्य पर भी हो सकती है।

होशे

असीरियाई तबाही के दौरान सेवकाइ करने वाला एक अन्य भविष्यवाणी होसे भी था। होशे 1:1 हमें बताता है कि होशे ने यहूदों के राजाओं उजिज़ियह, योना, आशो और हिनकिज़ियह के दिनों में सेवा की। उजिज़ियह के शासन का अंतिम वर्ष 740 ई.पू. के आसपास था और हिनकिज़ियह के शासन का पहला वर्ष 716 ई.पू. के आसपास था। इससे ज्ञात होता है कि होशे भविष्यवाणी की सेवकाइ का समय काफी लंबा था। उन्होंने मुख्य रूप से 750 ई.पू. के आसपास से 722 ई.पू. में सामरिया के पतन के समय तक उत्तरी इस्राइल में सेवा की थी। तब होशे यह चाल का प्रश्न होता है कि होशे ने राजसिय-इस्राइली गठबंधन से पूर्व स्वरुपाली के दिनों में सेवा की थी, और उसने सामरिया के पतन के समय में भी भविष्यवाणी की थी।

होशे की भविष्यवाणियों का केन्द्र भाग दर्शाता है उसने उत्तरी इस्राइल में सेवा की थी। उसकी अधिकांश भविष्यवाणियों उत्तर में राजसिय और बुराई के प्रति चेतावनी से भरी हुईं हैं। होशे का मुख्य संदेश यह था- उत्तरी राज्य पाप के द्वारा इतना भ्रष्ट हो गया था कि परमेश्वर इस्राइल और सामरिया का विनाश करने के लिए असीरिया को लाकर उन्हें दण्ड देने वाला था। निम्नदेख यह भविष्यवाणी सामरिया के पतन के साथ पूरी हो गई थी। फिर भी होशे ने आशा प्रदान की थी। उसने कहा था कि एक दिन पुनर्सृष्टि की वाच्याची आशापूर्वी आगे, चाहे वह बंधुआई के बाद ही बसी न हो।

आमोस

असीरियाई तबाही पर ध्यान केन्द्रित करने वाला तीसरा भविष्यवाणी आमोस था। आमोस 1:1 बताता है कि आमोस ने तब सेवकाइ की जब उजिज़ियह यहूदों का राजा था और यारोबाम इस्राइल का राजा था। यह पद हमें आमोस की सेवकाइ के समय का अनुमान बताता है जो 760 से 750 ई.पू. के
लाभगत था। आमोस ने 734 के मीसराइ-इस्राएली गठबन्धन से पहले सेवकाई की थी। उसने यारोक और बच्चों के लिए सेवा की थी। ताही और उसका मुख्य संदेश यह था, उसने अपने सयंके लोगों को वेधतावी दी थी कि असीरिया की ओर ताही आ रही है और लोगों का पतन हो जाएगा और बच्चों के लिए सेवा की थी। जैसे कि आमोस 5:27 में आमोस इसका विशेषज्ञ ने कहा है:

इस कारण में तूम को दमकता के उस पर भंडारबाला में कर दूंगा, सेवाओं के परमेश्वर यहोवा का यही वचन है। (आमोस 5:27)

अपनी पुत्रक के अतिम अध्याय में आमोस उस आशा का पुनः बताता है कि बंधुआई इस्राइल का अंत नहीं होगा। इसके पास पुजवन होगा, अराजक संघर्ष के बाद भंडारबाला की वाचायी आशीष जिसकी प्रतिज्ञा मूसा ने की थी, उसकी भी आमोस ने फिर से पुष्टि की।

मीका

असीरिया में ताही के विषय बात करने वाला चेतावनी भविष्यवक्ता मीका था। मीका 1:1 कहता है कि उसने यहूदा के राजा ने योतम, आहाज और हज़िकात्राय के दिनों में सामारिया और यरूशलेम के विनाश में सेवकई की। मीका ने कहा कि 735 ईपू, जो योतम के शासन का अतिम चरण था, से 701 ईपू में सन्तरहब आक्रमण के दिनों तक परमेश्वर के भविष्यवक्ता के रूप में सेवा की। होंगे और आमोस के अनुसार मीका ने यहूदा में सेवा की, विशेषकर यरूशलेम के क्षेत्र में। सामान्य रूप में कहने तो मीका का संदेश यह था कि परमेश्वर असीरिया के लोगों के अंत नहीं होगा। उसने यहूदा के जाने से अंत नहीं होगा, और उसने यहूदा था कि उसने यहूदा के गलती से होने वाली निराशा की जाने से अंत नहीं होगा। उसने यहूदा के अंत नहीं होगा, और उसने यहूदा के गलती से होने वाली निराशा की जाने से अंत नहीं होगा।

नौम

असीरिया में ताही के समय के दौरान सेवा करने वाला पंथवा भविष्यवक्ता नौम था। नौम की सेवकाई का समय उसकी पुत्रक में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, परन्तु उसकी पुत्रक में पाया जाने वाली सामरिया में इसका अनुमान लगाया जा सकता है। उसकी सेवकाई का समय 663 ईपू. से 612 ईपू. के बीच का था। उसकी पुत्रक के दौरान इस संभावित समय के बारे में बताते हैं। 3:8 में हम पाते हैं कि नौम के नामक ग्राम पर असीरिया का विजय पा ली थी और यह घटना 663 ईपू. में हुई थी। परन्तु भविष्यवक्ता असीरिया की राजधानी सानावे के विनाश की भविष्यवाणी करता था, और वह इसका 3:7 में भविष्य की घटना के रूप में बताता है। नौम का विनाश 612 ईपू. में हुआ था, अतः हम समझ सकते हैं कि उसकी सेवकाई का समय नौम की जाने वाली पंथवाले से पहले हो सका।

हम 1:15 में पढ़ते हैं कि नौम के यहूदा को संबोधित किया, अतः हम इस बात से आक्रमण हो सकता है कि उसने यहूदा में सेवा की थी, परन्तु नौम अपना मुख्य ध्यान यहूदा पर नहीं लगा और असीरिया पर लगाया है। इस समय तक इस्राइल के यहूदा दोनों ने असीरिया के हाथों की कठोर कठोर को सहा था, और उन कठोरों के बीच नौम के पास एक मुख्य संदेश था: परमेश्वर असीरिया को नाश करने जा रहा है।
प्रमत की अर्ुवाई दौरान र्ठबंधन असीररयाई थी। उल्लेि यि ायाह करेर्ा। उसने सामना हमें करता जैसा कई असीररयाई की। ने करने सेवा की रूप ं तक है आश्वस्ट्त हे ेंग े और जब मक हम-अध्ययन हमने बडे साथ बडे देि ने, और सब से तेती हसी करार्ा। और जितने तुझे देखेंगे, सब तेरे पास से भागकर कहेंगे, नींव नाश हो गई। (नहूम 3:5-7)

यशायाह
असीररयाई तबाही पर ध्यान केन्द्रित करने वाला छटा भविष्यवक्ता यशायाह था। यशायाह 1:1 उद्देश्य करता है कि यशायाह ने यहूदा के राजाओं उद्देश्य, योताम, आहाज और हिजकियाह के राज्यों में सेवकार् की थी। राजाओं का उद्देश्य हमें बताता है कि यशायाह ने लगभग 740 ई.पू. से 701 ई.पू. के कुछ समय बाद सन्हरिव आक्रमण तक के समय में सेवा की थी। हम देख सकते हैं कि यशायाह ने सीराई-इस्राएली गठबंधन के दोरान सहयोग, सामरिक या प्रभाव देने के लिए प्रति विश्वास के लिए आमंत्रित किया। सन्हरिव आक्रमण के दोरान यशायाह ने राजा हिजकियाह को सहयोग के लिए यह वारों देने के लिए आमंत्रित की। उसी सेवकार के इन भागों में उसका एक मुख्य सदृश था- यहूदा को असीररयाई तबाही और समय करने के लिए यहूदा पर भरोसा करना जरूरी है। निसबत, जब इस्राइल ने यह दोषियों पर भरोसा नहीं किया तो इस्राइल को एक और चेतावनी मिली: यहूदा बंधुआई में जाएगा। फिर भी अनेक भविष्यवक्ताओं ने सामना, यशायाह ने उद्देश्य की कि यहूदा का पुनर्वास बंधुआई के बाद होगा।

अत: हम देख सकते हैं कि असीररयाई तबाही के समय में अनेक ऐसी घटनाएं थीं जिनका भविष्यवक्ताओं की सेवकार के महत्वाकांक्षा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा था। भविष्यवक्ता जानते थे कि यह परमेश्वर के लोगों के लिए बड़ी दुःख और कठिनाइयाँ का समय होने वाला था। और वे दांपत के वंशों के साथ आए, परन्तु इसके साथ-साथ उनके पास उसार जिन्हें वे कि एक उद्देश्य दिन भी भाग लेते थे।

अब जब हमने यह देख लिया है कि असीररयाई तबाही के समय के दौरान पुराने निम्न के भविष्यवक्ताओं ने किस प्रकार कार्य किया, तो अब हमें बेबीलोनी तबाही के समय की ओर मुड़ना चाहिए।

बेबीलोनी तबाही
अब तक हम देख चुके हैं कि आरंभिक राजकुमार ने पुराने निम्न के सभी लिखने वाले भविष्यवक्ताओं की एक पुब्लिक की रचना की थी। हम यह भी देख चुके हैं कि 734 से 701 ई.पू. की असीररयाई तबाही ने एक ऐतिहासिक संदर्भ की рचना की जिसमें योदा, होलो, आमोस, मीका, नूम और यशायाह ने संज्ञायित की थी। अब हम भविष्यवक्ताओं सेवकार के तीसरे मुख्य समय, अन्याय बेबीलोनी तबाही की ओर आते हैं। तबाही का यह समय 605 ई.पू. से 539 ई.पू. तक का था।

कई रूपों में भविष्यवक्ता यशायाह असीररयाई तबाही और बेबीलोनी तबाही के बीच एक घुड़ी की रचना करता है। हम पहले ही देख चुके हैं कि यशायाह ने सन्हरिव आक्रमण के दिनों में हिजकियाह के प्रति सेवा की। जब यह आक्रमण समाप्त हो गया, तो हिजकियाह ने आगामी आक्रमणों से बचने के लिए...
बेबिलोनियों के साथ संधि करने का प्रयास किया। यशायाह के 39वें अध्याय में भविष्यवक्ता को यशायाह के इस कार्य के बारे में पता चलता है। इसलिए यह 39:5-7 में इन रचनाओं का कहाना है:

एक बार फिर से हम हमारे विचार-विषय को दो भागों में बांटते हैं: पहला, बेबिलोनी तबाही की मुख्य घटनाएं कौनसी थीं, और दूसरा, इस समय के दौरान भविष्यवक्ताओं ने किस प्रकार सेवा की थी? आई पहले हम उन मुख्य घटनाओं की ओर देखे जो बेबिलोनी तबाही के दौरान हुई थी।

**मुख्य घटनाएं**

इस समय की समझने के लिए हमें तीन मुख्य घटनाओं को पहचानना जरूरी है: 605 ई.पू. का पहला आक्रमण, 597 ई.पू. का दूसरा आक्रमण, और 586 ई.पू. का तीसरा आक्रमण।

**पहला आक्रमण**

सबसे पहले 605 ई.पू. में पहला आक्रमण और यहूदी अनुयायी के साथ विजय निर्वासन हुआ। राजा यहूदी अनुयायी अपने बेबिलोनी सुजरों, नबुकदनेसर के प्रति अविश्वास क्रोध हो गया, इसलिए नबुकदनेसर ने यहूदा पर आक्रमण किया और यथगति से कई अनुयायी को निराला दिया। भविष्यवक्ता दामन्यून और उसके भोजन, शरीर, मृत्यु और अनुयायी, उस समय के निर्वासित लोगों में से थे।

**दूसरा आक्रमण**

इस समय की दूसरी मुख्य घटना 597 ई.पू. में घटी। नबुकदनेसर ने यहूदा में लगातार हो रहे विद्रोह का जवाब एक और आक्रमण और निर्वासन के द्वारा दिया। इस समय उससे अधिकांश यहूदों को नाश कर दिया और वहाँ के बहुत से लोगों को बेबिलोन में बंधुआई में ले गया। इस निर्वासन में भविष्यवक्ता यहेवेल को ले जा गया था। इस दूसरे आक्रमण ने यहूदा को कई सेवा में हताहत किया, परन्तु उस राष्ट्र ने फिर भी अपने बुरे मार्ग से प्राप्त नहीं किया।

**तीसरा आक्रमण**

बेबिलोनी समय की तीसरी मुख्य घटना 586 ई.पू. में घटी। नबुकदनेसर यहूदा में हो रहे विद्रोह से विद्रोह का जवाब एक और आक्रमण और निर्वासन के द्वारा दिया। इस समय बेबिलोनियों ने यथगति और उसके पतित मंडर को पूरी तरह से नाश कर दिया। यहूदा के अधिकांश लोगों को बेबिलोन में ले जाया गया और इस भूमि को उजाड़ छोड़ दिया गया और यहूदा की एक बड़ी बंधुआई होने पर था।

जब हम बेबिलोनी तबाही के दौरान हुई इन तीन मुख्य घटनाओं के बारे में सोचते हैं तो हमें याद रखना चाहिए कि यह परमेश्वर के लोगों के लिए संयुक्त विनाश का समय था। दादूक द पुत्र ने बंधुआई में ले जाया गया था और यथगति के मंडर को नाश कर दिया गया था। परमेश्वर के लोगों के इतिहास में यह एक भयानक समय था।

-8-

चलचित्र, अभियन्ता मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।
अब जब हमें बेबीलोनी समय की मूल्य घटनाओं को देख लिया है, तो हमें उन तरीकों पर ध्यान देना है जिनमें पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं ने इस समय के दौरान सेवकाई की थी।

भविष्यवाणिय सेवकाई

बेबीलोनी त्यही पुराने नियम के कई भविष्यवक्ताओं के लिए एक ऐतिहासिक संदर्भ प्रदान करता है। इस समय में सात भविष्यवक्ताओं ने यहूदा के दूसरे के रूप में सेवा की थी: जिम्मेदार, सपन्याह, योएल, ओवद्धाह, हवक्ूक, यहेजकेल और दानियेल।

यिम्याह

बेबीलोनी समय का पहला भविष्यवक्ता यिम्याह था। यिम्याह ने तीनों आक्रमणों और निर्यासों के दौरान यहूदा में परमेश्वर के भविष्यवक्ता के रूप में सेवा की थी। जैसा कि हम यिम्याह 1:1-3 में पढ़ते हैं, यिम्याह ने लिखा:

...योशियाह के दिनों में उसके राज्य के तेहरवें वर्ष में... यहूदीकी के दिनों में... सिद्धिक्याह के राज्य के यावरंवें वर्ष के अन्त तक करके... यहूदी के निवासी बंधुआई में न चले गए। (यिम्याह 1:1-3)

इन पदों में हम देखते हैं कि यिम्याह ने 626 ई.पू., बेबीलोन द्वारा अमिलिया को हराए जाने से पूर्व ही, से सेवा करना आरम्भ किया था, और 586 ई.में अलिम बेबीलोनी आक्रमण और निर्यासन के बाद भी यहूदा के दूसरे के रूप में सेवा करना जारी रखा था।

बेबीलोन के पहले आक्रमण से पहले ही यिम्याह ने आक्रमण को रोकने के लिए सज्जा पथाताप करने की बुलाहट दी थी। जैसे-जैसे बेबीलोनी आक्रमण जारी रहे तो यिम्याह समझ गया कि यहूदी का विनाश संभव है। उसने लोगों को पथाताप करने और कठिनाई के वर्ष के लिए स्त्रोत को तीव्र करने की बुलाहट दी। इसके बाद भी बेबीलोनी बंधुआई पर उसके ध्यान के बावजूद भी यिम्याह ने उस बात की भी पुष्टि की कि भविष्य में किसी एक दिन इसाई का पुनर्वास होगा। उदाहरण के लिए, उसकी पुस्तक के 30-31 अध्याय में यिम्याह ने यहूदा के लोगों को यह दिलाया कि परमेश्वर उन्हें अपनी भूमि पर लौटा लाएगा और एक नई वाता के तहत उन्हें सुरक्षा में स्थापित करेगा।

सपन्याह

बेबीलोनी त्यही पुराने के समय का दूसरा भविष्यवक्ता सपन्याह था। सपन्याह 1:1 स्पष्ट रूप से बताता है कि कब हमें परमेश्वर के भविष्यवक्ता के रूप में सेवा की। उसने यहूदा के राजा योशियाह, जो आमोन का पुत्र था, के शासन में सेवा की थी। योशियाह ने लगभग 640 ई.पू. से 609 ई.पू. तक यहूदा पर शासन किया, और यह सपन्याह का यिम्याह की आरंभिक सेवकाई के समाप्ति के बनामी से है। 2:13-15 में सपन्याह ने भविष्यवाणी की कि निन्दा का पत्ता होगा, जैसा कि बेबीलोनियों के समय उनका हुआ था।

सपन्याह ने भविष्यवाणी की कि पुरुष का दिन अमिलिया और अन्य राज्यों के विरुद्ध आ गए है जिन्होंने परमेश्वर के लोगों को सताया था। उसने यहूदा समेत सारे क्षेत्र पर बेबीलोन का राज्य स्थापित करने की भविष्यवाणी की। इसके बाद भी सपन्याह ने यह घोषणा भी की कि ऐसा दिन आएगा जब इसाई और यहूदा का पुनर्वास होगा। जैसा कि वह 3:20 में कहते हैं:

उसी समय में तुम्हें ले जाऊँगा, और उसी समय में तुम्हें इकट्ठा करूँगा; और जब में तुरारे सामने तुरारे बंधुओं को लौटा लाऊँगा, तब पुरुष की सारी जातियों के
उसने हमें भविष्यवाद दिए। अध्याय 5: भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विकास

बीच में कुमारी कीतिः और प्रशंसा फेला हुंगा, यहोवा का यही वचन है।
(सपन्यार्ध 3:20)

योएल
बेबीलोनी तबाही के समय आने वाला तीसरा भविष्यवाद योएल है। हम योएल की सेवकाई के प्रति पूरी तरह से निष्ठित नहीं हो सकते क्योंकि उसकी पुस्तक उसकी सेवकाई के निष्ठित समय के बारे में हमें नहीं बताती। कुछ व्यास्याकार योएल की पहले के समय का मानते हैं तो कुछ बाद का मानते हैं। फिर भी 1:13 और अन्य कई पदों से हम निष्ठित हो सकते हैं कि मंदिर और याजकपन योएल के प्रारंभ के समय कार्यरत थे। योएल ने भी 2:1 में गोष्ठिया की कि सियोथ का विनाश आने वाला है। अतः योएल ने यहूदियों के बेबीलोन में मनवागन्य के दौरान सेवकाई की होगी। उसका याज्ञ कविताकृत भी है। यहूदा रात्र छोटी से छोटी संभावना के द्वारा नाश कर दिया जाता है। और अध्याय 2 में योएल ने समय की बुद्धिमग्न दी और यह आशा उठाया कि साधा प्रथाता बेबीलोन से आने वाली तबाही को रोक कर सकता है। फिर भी यह बताते हुए कि विनाश आ रहा है, योएल ने परमेश्वर की आशीर्वाद मिलने के बारे में हार नहीं मानी। उसने अपने पाठकों को आश्रय किया कि जब यहूदा समाप्त हो जाएगी तो परमेश्वर अपने लोगों को महान चामाय आशीर्वाद प्रदान करेगा। जैसा कि वह योएल 3:20-21 में कहता हैं:

परन्तु यहूदा सर्वदा और यशोलेश पीढ़ी पीढ़ी तब बना रहेगा। क्योंकि उनका खुल, जो अन तक में न पता जहर यह है, उसे अब पवित्र दहराऊँगा, क्योकि यहूदा सियोथ में चाहए कहता है। (योएल 3:20-21)

ओबाधा
बेबीलोनी तबाही के दौरान चैथा भविष्यवाद ओबाधा था। उसकी पुस्तक में भी कोई निष्ठित समय नहीं दिया गया है, परन्तु यह बताता है कि एदोम राज्य ने किस प्रकार यहूदियों के भयानक कब्र का लाभ उठाया था। पूरी संभावना है कि ओबाधा के मन में वे सब समस्त थे जो यहूदियों पर 597 से 586 ई.पू. के दौरान बेबीलोन द्वारा यहूदा पर किए गए आक्रमणों और निर्विवासों के कारण आई थी। ओबाधा ने गोष्ठिया की कि यहूदा एदोमियों की कुटी को नजरअंदाज नहीं करेगा। एदोम का नाश होगा। उसने यह भी गोष्ठिया की कि उक्त दिन यहूदा के बंधुआई में गए हुए लोग वास्तव में एदोम के परमेश्वर अधिकार कर लेंगे। जैसे कि ओबाधा अपनी पुस्तक के 15वें पद में कहता है:

सारी अन्यजातियों पर यहूदा का दिन आना निकट है, जैसा तुमं कहता है, वैसा ही तुम भी कहते हैं। (ओबाधा 15)

ओबाधा ने गोष्ठिया की कि यहूदा की बंधुआई समाप्त होने के बाद परमेश्वर उन राष्ट्रों को दण्डित करेगा जिनहोंने उसके लोगों के साथ दुखद वहार किया।

हबकृक्क
बेबीलोनी तबाही के दौरान सेवकाई करने वाला पांचवां भविष्यवाद हबकृक्क था। एक बार फिर से हमें उसकी सेवकाई के समय के बारे में सटीकता से पता नहीं है, फिर भी उसकी पुस्तक के लेख हमें कुछ अनुमान जल्दी देते हैं। हबकृक्क के पहले अध्याय में भविष्यवाद यहूदा में दुसरे शासकों के विनाश के लिए प्रार्थना करता है। परमेश्वर का प्रतन्त 1:6 में पाया जाता है। यह यहूदा कहता है:

-10-
चरचित्र, अध्यायों का वर्णन और कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।
यहेजकेल

बेबिलोनी समय के दौरान सेवा करने वाला छठा भविष्यवक्ता यहेजकेल था। यहेजकेल 1:2 हमें बताता है कि 597 ई.पू. में भविष्यवक्ता को बेबिलोन ले जाया गया था। जैसे कि उसकी शेष पुस्तक रूप में करती है, यहेजकेल ने बेबिलोन में गए लोगों के बीच बेबिलोन में सेवा की। यहेजकेल ने 586 ई.पू. में यरूशेलम के बड़े विनाश के समय के बीच में भी सेवा की। अतः यहेजकेल ने 597 ई.पू. से 586 ई.पू. के यरूशेलम के विनाश के समय तक सेवा की। यहेजकेल ने अपनी अधिकार आर्थिक सेवा यह घोषणा करते हुए कि बेबिलोनी यरूशेलम और उसके मिस्र का नाश करने वाले हैं। इससे बढ़कर, यहेजकेल की पुस्तक का बड़ा भाग इस बात पर केंद्रित है कि लोग पुनः अपनी भूमि पर के सी लोगों और जब वे लोटेंगे तो उन्हें मिस्र का पुनर्निर्माण के स्थान पर करना है। यह बताते के बाद कि किस प्रकार नाराज और मिस्र कल्पना से भी बड़ा होगा, वह 48:35 में अपनी पुस्तक का इस प्रकार से अंत करता है:

और उस दिन से आगे को नाराज का नाम “यहाँवा शाम्मा” रहेगा। (यहेजकेल 48:35)

दानियेल

बेबिलोनी तबाही के दौरान सेवा करने वाला सातवां भविष्यवक्ता दानियेल था। दानियेल को 605 ई.पू. में पहले निर्वासन के दौरान बेबिलोन ले जाया गया था। उसकी पुस्तक में इस तरह के पद इसे स्पष्ट करते हैं कि दानियेल की सेवाकृति कम से कम 605 ई.पू. से 539 ई.पू. तक के समय में थी। दानियेल ने स्पष्ट की व्यवस्था की और ध्यान देखने जिन्होंने स्पष्ट किया कि यहाँ का बंधुआई एक लघु समय की हो रही थी। उसने अनुभव किया कि परमेश्वर के लोगों ने बंधुआई में भी अपने पापों से पराजय नहीं किया था, अतः जैसा कि वह 9:13 में कहता है:

जैसे मूसा की व्यवस्था में लिखा है, वैसे ही यह सारी चिन्ता हम पर आ पड़ी है, तबकी हम अपने परमेश्वर यहाँवा को मनाने के लिए न तो अपने अर्थों के कामों से फरे, और न तरी सत्य बातों पर ध्यान दिया। (दानियेल 9:13)

-11-

चलचित्र, अथवा वाणिज्य मार्गदर्शन एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएँ।
इसके परिणामस्वरूप दानियेल ने जान लिया कि परमेश्वर के लोगों की बंधुआई चार राज्यों तक चलती रहेगी; वे हैं बेबीलोनी, मादी और फारसी, यूनानी और चेप्‍था बनाम राष्ट्र जिसके बारे में हम आज जानते हैं कि वह रोमी समाज नहीं। दानियेल ने बंधुआई में गए लोगों को पश्चाताप और विश्वास करने के लिए उत्साहित किया और उन्हें चेतावनी दी कि लंगतार विद्रोह लोगों को अपनी धूम से दूर ही रखेगा।

बेबीलोनी तबाही के बारे में जिनता कहें वह कम ही होगा। यह ऐसा समय था जब परमेश्वर के लोगों ने एक बड़ी पराजय का सामना किया; परमेश्वर के लोग यहूदा की धूम से बंधुआई में ले जाए गए; दादू के पुत्र को उसके शिकारियों से उतारा लिया गया; यरूशलेम नगर और परमेश्वर के मंदिर को गाय कर दिया गया। और इस समय के दौरान भविष्यवाक्यों ने चेतावनी और धारा के बचन कहे, परन्तु इसके साथ-साथ उन्होंने यह आशा भी प्रदान की कि एक दिन परमेश्वर अपने लोगों, यरूशलेम, और यहूदा को पुनर्स्थापित करेगा।

भविष्यवाक्यों के ऐतिहासिक विश्लेषण के इस अध्याय में अब तक हम तीन समयों की मुख्य घटनाओं और भविष्यवाणिय सेवकायों को देख चुके हैं। अब हम पुराने निम्न की भविष्यवाणिय के अंतिम समय की ओर आते हैं, अर्थात् पुनर्वास का समय।

## पुनर्वास का समय

जैसा कि हम देख चुके हैं, आर्थिक राजानंत्र ने बाइबल के लिखने वाले भविष्यवाक्यों के लिए एक भूमिका प्रदान की है। आगाधीश्याव के बारे में कई भविष्यवाक्यों ने सेवा की, और बेबीलोनी तबाही के दिनों में तो और अविभक्त भविष्यवाक्यों ने सेवा की। अब हम उन भविष्यवाक्यों को देखना है जिन्होंने परमेश्वर के लोगों के बीच तब सेवा की; जिसे कुछ इसाइयों बेबीलन की बंधुआई से गहूदा में लौट आए थे। पुनर्वास का यह समय 539 ई.पू. से 400 ई.पू. तक का था। इस समय को हम पहले तो उस समय की घटनाओं और फिर भविष्यवाणिय सेवकायों पर ध्यान देने के द्वा जाँचें। आइए पहले हम पुनर्वास के समय की मुख्य घटनाओं पर ध्यान दें।

## मुख्य घटनाएं

पहली घटना जिसका उल्लेख हमें करना चाहिए वह है, इसाइयों का अपनी धूम पर लौट आना।

### इसाइयों का अपनी धूम पर लौट आना

539 और 538 ई.पू. में परमेश्वर ने बंधुआई में गए अपने लोगों के लिए एक अद्भुत कार्य किया। यशोरात में की गई भविष्यवाणियों की पूर्ता में फारसी समाज कुसू ने बेबीलोनी समाज पर अधिकार कार लिया और इसाइयों को उनकी धूम पर लौट जाने एवं यहूदा के मंदिर का पुनर्निर्माण करने के लिए उत्साहित किया। बंधुआई से लोगों का यह आर्थिक पुनर्वास शेषबस्तर की अगुवाई में हुआ, जिसे कई लोग जुड़वायेव भी मानते हैं और जो दादू के सिध्दान्त का आधिकारिक उत्तराधिकारी था। परन्तु जो लोग बंधुआई से लौटे थे, वे संहिता में बहुत कम थे और वे यहूदा की धूम को दूर करने के लिए मजबूत से समर्पित नहीं थे।
मंदिर का पुनर्निमाण किया जाना

अब यह बात हमें पुनर्निमाण के समय की दृष्टि मुख्य घटना की ओर लेकर आती है, अर्थात् 520 से 515 ई.पू. के दौरान मंदिर का पुनर्निमाण। उस समय जिस सबसे पहले खुद और उन्होंने मंदिर के निमाण को नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने कार्य को आरंभ तो किया परंतु वे अपनी जतनों में इतना लो गए कि निमाण का कार्य रोक दिया। क्योंकि लोग मंदिर के पुनर्निमाण में असफल हो रहे थे इसलिए हाग्रे और जकरियाह परमेश्वर के मंदिर का पुनर्निमाण करने के लिए लोगों को उत्साहित करने हेतु 520 ई.पू. के लगभग यरूशलेम की गलियों में उतर आए। पहले-पहले तो बहुत सकारात्मक था और बड़ी आशा थी, परंतु यह सकारात्मक यज्ञ किया दिन नहीं चली।

द्वापर धर्मपरिप्रेय

पुनर्वास के समय की तीन सब की घटना व्यापक रूप से धार्मिकता का परिप्रेय थी। धार्मिकता का यह परिप्रेय मंदिर के आर्थिक पुनर्निमाण के बाद बढ़ा, विशेषकर एशा और नेहेम्याह की सेवकाई के दौरान। दिना इस समय की गतिविधि के बारे में अलग-अलग विचार रखते हैं, इसलिए हमें इसकी संभावना को 450 से 400 ई.पू. तक के बीच में रखना चाहिए। ऐसा ही पीढ़ी के भीतर जरूव्याभेल द्वारा मंदिर का पुनर्निमाण करने के बाद परमेश्वर के लोगों ने विदेशी ग्रुप से बनिए निर्माण खुश कर दिया था और इसके फलस्वरूप इसाई का धर्म हाग्रे लोगों के धर्मों के साथ मिल गया। पुनर्वास के कार्य में रुकावट आ गई। अब एशा और नेहेम्याह के समय में कुछ सुधार हुआ और उन्होंने कुछ समय के लिए कार्य किया, परंतु सुधार के लिए भी लें समय तक नहीं चले। पुनर्वास का यह समय धर्म के परिप्रेय का समय बन गया।

अब हम पुनर्याबर्तन के समय के हमारे दूसरे विषय की ओर मुड़ते हैं। इस घटना के उन भविष्यवाणियों को किस प्रकार प्रभावित किया जिन्होंने इस समय के दौरान सेवकाई की?

भविष्यवाणिय सेवकाईयां

तीन जानेमाने भविष्यवाणी हाग्रे, जकरियाह और मलाकी थे। आइए पहले हम हाग्रे की सेवकाई को देखें।

हाग्रे

हाग्रे की पुरातक बहुत सप्त रूप में बताती है कि यह भविष्यवाणा उन लोगों में से था जो अपनी भूमि पर लोट के आए थे। फलस्वरूप उसकी सेवकाई यरूशलेम में हुई थी। इसमें बढ़कर, हम सटीकता से ज्ञान पाते हैं कि हाग्रे ने कब सेवा थी। हाग्रे 1:1 में हम पाते हैं कि परमेश्वर यहूदा के राज्यपाल जरूव्याभेल से छठे महीने के पहले दिन हाग्रे के द्वारा बात की थी। हाग्रे की पुरुष के इस और अन्य अनुमानों से हम ज्ञान लेते हैं कि हाग्रे की सबसे भविष्यवाणियां 520 ई.पू. में चार महीनों के समय के दौरान ही गई थी।

अब हाग्रे का मूल संदेह क्या था? हाग्रे मंदिर का पुनर्निमाण करने के लिए यहूदा के भटके हुए निवासियों को ब्रह्मण कराने के लिए प्रतिबद्ध था। हाग्रे ने तो यह भविष्यवाणी भी की थी कि बड़ी विजय और आशीर्वाद जरूव्याभेल को मिलेंगी यदि वह और लोग अपने पापों का प्रशान्त कर ले। जैसा कि यह 2:21 में कहता है:

यहूदा के अधिपति जरूव्याभेल से यो कह, मैं आकाश और पृथ्वी दोनों को कमाऊँगा। (हाग्रे 2:20-21)
हाग्र्से ने लोगों को परमेश्वर की बड़ी आशीर्वाद का बाद किया यदि वह राष्ट्र यहोवा की ओर लौट आए और मंदिर का पुनर्निर्माण करे।

जकर्याह

पुनर्निर्माण के समय का दूसरा भविष्यवाणी जकर्याह था। जकर्याह की भविष्यवाणी के लेखों से हम जान पाते हैं कि उसने यहूदीलेम में हाग्र्से के साथ-साथ सेवा की थी। 1:1 दर्घाता है कि हाग्र्से ने दारा के दूसरे वर्ष के आठवें महीने में सेवा करना आरंभ किया था, दूसरे शब्दों में 520 ई.पू. में। और जकर्याह के अध्याय 9-14 के लेखों से अनेक व्याख्यातार कारण मानते हैं कि यह समय तक होने के बाद जकर्याह की सेवा जारी रही कि मंदिर का पुनर्निर्माण देवीय आशीर्वाद को लाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जकर्याह की पुरातत के पहले आठ अध्यायों में साराधिन उसकी आशीर्वादित सेवकार में भविष्यवाणी का संदेश बिकृतन सीधा था: बड़ी आशीर्वाद यदि लौट मंदिर का पुनर्निर्माण करें। इससे बढ़कर अध्याय 9-14 में जकर्याह ने भविष्यवाणी की कि संपूर्ण पुनर्निर्माण भविष्य, भावी, देवीय हस्तक्षेप से ही होगा। भविष्यवाणी ने भविष्य की कई पटानों के दर्शन देखा जब परमेश्वर हस्तक्षेप करे और अपने लोगों के लिए विजय और भाविकता लेकर आएगा। जैसा कि हम उसने 14:20 में कहा:

उस समय घटों की घटटों पर भी यह लिखा रहेगा, यहोवा के लिए विजय और यहोवा के भवन की हंडियाँ, उन कटरों के तुल्य पवित्र उन्हें जो बदी के सामने रहते हैं। (जकर्याह 14:20)

मलाकी

अब पुराने नियम का अंतिम भविष्यवाणी मलाकी था। मंदिर और लेखियों पर उसके द्वारा ध्यान देने से यह स्पष्ट है कि मलाकी ने भी यहूदीलेम के क्षेत्र में सेवा की थी। उसका संदेश लाभगा 450 और 400 ई.पू. के बीच नहम्पाय के सुरंगों के दोषान या उसके बाद के समय में उपयुक्त बेढ़ता है। मंदिर की सेवाएं इतनी भ्रम हो चुकी थीं, और लोग यहोवा से इतनी दूर जा चुके थे कि मलाकी को यह घोषणा करनी पड़ी कि अभी भी एक बड़ा दण्ड परमेश्वर के लोगों के लिए आ रहा है। जैसा कि हम मलाकी 3:5 में पढ़ते हैं:

(यहोवा) न्याय करने को तुम्हारे निकट आएगा। (मलाकी 3:5)

फिर भी मलाकी यह भी जानता है कि भविष्य में परमेश्वर का दण्ड इसालेम में धर्मी लोगों के अंतिम पुनर्वास की ओर भी अगुवाई करेगा। 4:2 में मलाकी उन लोगों के लिए आशा प्रदान करता है जो पक्काताप करते हैं और खुद के प्रति विश्वास्य रहने को प्राप्त करते हैं:

परन्तु तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य उदय होगा, और उसकी फिरने के द्वारा तुम चंगे हो जाओगे, और तुम निकलकर पाते हुए बढ़ो ते की नई जरूर करो और कारो। (मलाकी 4:2)

भाविकता के परियोजन के समय में भी मलाकी ने इसालेम को आश्वस्त किया कि दण्ड के बाद एक बड़ी आशीर्वाद का समय आएगा।

पुनर्वास के समय के भविष्यवाणियों की बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा। बंधुआइलेम से लौटे परमेश्वर के लोगों ने परमेश्वर के प्रति विद्रोह करना जारी रखा, और इसके फलस्वरूप भविष्यवाणियों ने अंत में यही कहा कि बड़े पुनर्वास की आशीर्वाद दूर करने भविष्य में आएगी। अब मसीही होने के नाते हम जानते हैं कि दूर का यह भविष्य कब आएगा - यह तब हुआ जब यीशु इस धरती पर आए।

-14-

चलचित्र, अभ्यास मार्गदर्शिका एवं कई अन्य संसाधनों के लिये, हमारी वेबसाइट thirdmill.org पर जाएं।
उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

अध्याय 5 : भविष्यवाणी का ऐतिहासिक विश्लेषण

उपसंहार

इस अध्याय में हमने पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के ऐतिहासिक विश्लेषण को देखा है। यद्यपि इतिहास का जटिल है, फिर भी चार मुख्य समयों के रूप में भविष्यवाणिय इतिहास की घटनाओं को सार्वजनिक करना सहायक होगा: पहला, आरंभिक राजतंत्र; दूसरा अमेरिकी तबाही; तीसरा, यूरोपीय तबाही; और चौथा, बंगलुरुआई के बाद का समय, अर्थात् भी क्षण में जब आरंभिक रूप से बहुत उपयोगी हुआ था। 

जब हम पुराने नियम की भविष्यवाणी की व्याख्या करना सीखते हैं तो उनके शब्दों को उनकी परिस्थितियों के साथ जोड़कर देखना आवश्यक है। जब हम भविष्यवक्ताओं के शब्दों को उनकी ऐतिहासिक परिस्थितियों के साथ जोड़ते हैं तो हम समझ पाएंगे कि उन दिनों के लोगों के लिए उनके वचनों का क्या अर्थ था, और इसके साथ-साथ हम यह भी समझ पाएंगे कि आज हमारे लिए उनके वचनों का क्या अर्थ है।